बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली ११००३४

हिंदी

कक्षा- IX

प्यारे बच्चो

उपर्युक्त पाठ के अध्ययन के लिए निम्नलिखित लिंक का प्रयोग कीजिए।

https://www.youtube.com/watch?v=4leIfwtuP0w

गिल्लू (पाठ १ PDF)

https://drive.google.com/open?id=1FkYhGbktKH4nKLsdpTTLN6Oy7Z7Zqtmg

---

BBPS, PITAMPURA

गिल्लू (पाठ का सार)

महादेवी वर्मा को पशु -पक्षियों से विशेष लगाव था। उन्होंने अपने जीवन में कई पशु-पक्षियों को पालतू बनाया। एक बार उन्हें गिलहरी का नन्हा बच्चाबीमार हालत में मिला, शायद घोंसले से गिर गया था। जिसे कौए ने चोंच मार कर घायल कर दिया था।कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी माना जाता है शायद श्राद्धों में उसे पूजने और कर्कश ध्वनि के कारण। कौए के चोंच मारने से गिल्लू मरणासन्न स्थिति तक पहुँच गया था पर वे उसे अपने घर ले आई। सब लोग उसके जीने की आस छोड़ चुके थे लेकिन महादेवी ने उसकी सेवा करके उसे स्वस्थ कर दिया। महादेवी ने उसका नाम रखा -गिल्लू। ठीक होने पर गिल्लू महादेवी से बेहद हिल मिल गया। उन्हीं के घर रहने लगा। लेखिका ने उसे एक डलिया में रखा। कभी वह लेखिका के पैरों पर चढ़ जाता था और सर्र से उतर कर भाग भी जाता था। वह अपनी चमकीली आँखों से लेखिका के क्रिया -कलापों को भी देखा करता था।

छोटे से छोटे जीव भी मनुष्य के व्यवहार को अच्छी तरह समझते हैं। लेखिका के घर से बाहर जाने पर गिल्लू भी दिन भर गिलहरियों के झुंड के साथ उछलता -कूदता रहता था लेकिन शाम ढलते ही घर वापिस आ जाता। कभी -कभी अपने को इधर -उधर छुपाकर लेखिका का मन बहलाता था। कभी लेखिका की थाली से ही अन्न खाने की शरारत भी कर गुजरता था। लेखिका ने बड़ी मुश्किल से उसे मेज़ पर रखी भोजन की थाली के पास बैठना सिखाया। इस लघु जीव का

BBPS.PITAMPURA

सब से प्रिय भोजन काजू था। एक बार महादेवी वर्मा जब बीमार हुई तो जब तक वे अस्पताल से नहीं लौटीं ,तब तक गिल्लू ने अपना प्रिय खाद्य काजू भी नहीं खाए। अस्पताल से घर आने पर गल्लू लेखिका के सिरहाने बैठकर उनके सिर पर परिचारिका की भाँति अपने छोटे -छोटे पंजों से सहलाने का प्रयत्न करता था।

गिलहरियों का जीवन मुश्किल से दो साल का होता है। एक समय यह भी आया जब गिल्लू काल के गाल में समाने के करीब पहुँच गया किन्तु उसके मरने के कुछ समय पहले लेखिका ने हीटर जलाकर उसके बदन को सेंका लेकिन लेखिका उसे बचा नहीं पाई। उसकी मृत्यु के बाद महादेवी ने उसे सोनजुही की उसी लता के नीचे दफ़न किया जहाँ दो साल पहले वह बीमार हालत में मिला था और जो गिल्लू को बहुत प्रिय थी। जहाँ वह अकसर लुका -छिपी का खेल खेलता था और महादेवी के वहाँ पहुँचते ही उन्हें चौंकाते हुए उनके कंधों पर आ विराजता था। इस छोटे से जीव के प्रति लेखिका का स्नेह इस रेखाचित्र में परिलक्षित होता है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क) सोनजुही में लगी पीली कली को देखकर लेखिका के मनमें कौन से विचार उमड़ने लगे ?

ख)पाठ के आधार पर लिखिए कि कौए को एक साथ समादरित और अनादरित क्यों कहा जाता है ?

ग) लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

BBPS,PITAMPURA

घ) 'प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया '-का आशय स्पष्ट कीजिए।

ङ) सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है ?

नोट -प्यारे बच्चो! आप ने संवाद पिछले-सत्र में किया था उसी तरह दिए गए विषय को ध्यान में रखकर संवाद लिखिए -

2. अध्यापक व स्वयं के बीच में 'Online classes' से होने वाली समस्याओं को संवाद रूप में लिखिए।

3.''आज़ादी सभी प्राणियों का जन्मसिद्ध अधिकार है '' विषय पर 80 -100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

BBPS,PITAMPURA